पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

<u>राज्यपाल से मिला मुंबई से आया छात्रों का दल</u>
<u>पूरे विश्व में लखनऊ का वास्तुशास्त्र मशहूर है - श्री नाईक</u>

लखनऊः 18 जून, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में कमला रहेजा विद्यानिधि इंस्टीट्यूट आॅफ आर्किटेक्चर एण्ड इनवायरमेंटल स्टडीज, मुंबई के 40 विद्यार्थियों के एक दल ने भेंट की। विद्यार्थियों का यह दल लखनऊ भ्रमण पर आया है जो पुरातन इमारतों के वास्तुशास्त्र, गोमती नदी और विशेषकर लखनऊ में हो रहे विकास कार्यों का अध्ययन करेगा। दल के साथ उनके निदेशक श्री अनिरूद्ध पाॅल व अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री हेमन्त राव भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने संस्थान के छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि पुरानी इमारतों जैसे बड़ा इमामबाड़ा आदि में आज के युग के जैसे सीमेंट, स्टील आदि का प्रयोग नहीं हुआ है फिर भी ये इमारतें आज तक खड़ी हैं। भूल-भुलैया आश्चर्य का विषय है। पूरे विश्व में लखनऊ का वास्तुशास्त्र मशहूर है। लखनऊ अपनी विशेष कला एवं संस्कृति के लिये जाना जाता है। यहाँ की संस्कृति को गंगा जमुनी संस्कृति कहते है जहाँ सभी धर्मों के लोग प्रेम और सौहार्द से रहते हैं। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों में भी एक पेज विशेष रूप से कला, नृत्य व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों से भरा होता है इसलिये इस शहर को कला की राजधानी भी कहा जा सकता है।

श्री नाईक ने राजभवन की विशेषता बताते हुये कहा कि 45 एकड़ में बना राजभवन 200 वर्ष पुराना है। राजभवन में उद्यान, गौशाला व विभिन्न प्रकार के फल, फूल व सब्जियाँ उगायी जाती हैं। देश की आजादी के बाद 1947 से यह प्रदेश के राज्यपाल का सरकारी आवास है जिसकी पहली राज्यपाल वयोवृद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीमती सरोजिनी नायडू थीं। 1857 का पहला स्वतंत्रता संग्राम लखनऊ व उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों से आरम्भ हुआ था। 1916 में लखनऊ के कांग्रेस अधिवेशन में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने अपना ऐतिहासिक अजर-अमर उद्घोष 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' दिया था। उन्होंने बताया कि इस वर्ष राज्य सरकार ने वृहद स्तर पर 'उत्तर प्रदेश दिवस' का आयोजन किया था। गत दो वर्षों से 'महाराष्ट दिवस' राजभवन में मनाया जा रहा है और अगले वर्ष से महाराष्ट्र सरकार मुंबई में 'उत्तर प्रदेश दिवस' का आयोजन करेगी।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश का अनेक दृष्टि से महत्व है। भगवान राम और कृष्ण की जन्मस्थली है। भगवान बुद्ध ने यही ज्ञान प्राप्त किया था। विश्व के केवल तीन देश चीन, अमेरिका और इण्डोनेशिया आबादी की दृष्टि से उत्तर प्रदेश से बड़े हैं। उत्तर प्रदेश से लोकसभा में 80 सांसद जाते हैं तथा प्रदेश ने वर्तमान प्रधानमंत्री सहित 9 प्रधानमंत्री देश को दिये हैं। प्रदेश में लगभग 55 विश्वविद्यालय हैं जिनमें केन्द्रीय, निजी विश्वविद्यालयों के साथ-साथ 28 राज्य विश्वविद्यालय हैं। गत वर्ष राज्य विश्वविद्यालय से 15.60 लाख छात्र-छात्राओं को उपाधियाँ प्रदान की गयी जिनमें 51 प्रतिशत छात्राएं थी। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये 1,866 पदकों में से 66 प्रतिशत पदक छात्राओं को मिले हैं। परीक्षा में नकल करने की प्रवृत्ति कम हुई है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा की गाड़ी पटरी पर आयी है।

श्री नाईक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गत फरवरी माह में इंवेस्टर्स समिट 2018 का आयोजन किया गया जिसमें 1,090 एम0ओ0यू0 के माध्यम से 4.68 लाख करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार उद्योग बढ़ाने का विशेष प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश और आगे बढ़ेगा। राज्यपाल ने विधार्थियों को उनके संस्थान के पुस्तकालय के लिए 'बर्डस आफ राजभवन', 'ट्रीज आॅफ उत्तर प्रदेश' की प्रति तथा अपनी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' की हिन्दी, मराठी एवं अंग्रेजी प्रतियाँ भेंट की। उन्होंने 'चरैवेति! चरैवेति!!' श्लोक उद्धृत करते हुए कहा कि जगत वंदनीय होने के लिए निरन्तर चलते रहने की आवश्यकता है। निरन्तर आगे बढ़ने से जीवन में सफलता मिलती है।

अंजुम/ललित/राजभवन (241/18)